इबीआरटीएस के बनेंगे तीन कारिडोर यूएमआरसी ने प्रस्तुतीकरण दिया

राज्य ब्यूरो, जागरण, देहरादून: देहरादून में प्रस्तावित पीआरटी (पाड टैक्सी) परियोजना तथा मसूरी और नैनीताल में प्रस्तावित रोपवे परियोजनाओं की व्यवहार्यता (फिजिबिलिटी) को लेकर बुधवार को सचिवालय में समीक्षा बैठक हुई। अध्यक्षता आवास सचिव डा. आर. राजेश कुमार ने की।

इस दौरान यूएमआरसी के प्रबंध निदेशक ने तीनों परियोजनाओं की फिजिबिलिटी स्टडी पर प्रस्तुतीकरण दिया। इसमें तकनीकी, सामाजिक, पर्यावरणीय और वित्तीय पहलुओं पर चर्चा की गई। प्रस्तुतीकरण में बताया गया कि देहरादून में प्रस्तावित पीआरटी परियोजना को इबीआरटीएस के फीडर सिस्टम के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके तहत तीन प्रमुख कारिडोर प्रस्तावित हैं। यह क्लेमेंटटाउन से बल्लूपुर चौक, पंडितवाड़ी से रेलवे स्टेशन और गांधी पार्क से आईटी पार्क तक बनेंगे। अधिकारियों ने बताया कि यह परियोजना शहर में यातायात दबाव कम करने के साथ-साथ पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था को मजबूत करेगी। बैठक में इस परियोजना की डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) पर भी चर्चा हुई। आवास सचिव ने निर्देश दिए कि डीपीआर में परियोजना की आवश्यकता, पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआइए), सामाजिक प्रभाव और वित्तीय व्यवहार्यता को और स्पष्ट रूप में प्रस्तुत किया जाए। साथ ही उन्होंने अगली बैठक में संशोधित डीपीआर के साथ पुनः प्रस्तुतीकरण देने को कहा। सचिव ने कहा, देहरादून में प्रस्तावित पीआरटी कारिडोर का स्थलीय निरीक्षण किया जाएगा, ताकि जमीनी स्तर पर इसकी व्यवहारिकता का आकलन किया जा सके। बैठक में मसूरी और नैनीताल में प्रस्तावित रोपवे परियोजनाओं की फिजिबिलिटी स्टडी की भी समीक्षा की गई। यूएमआरसी ने बताया कि ये रोपवे परियोजनाएं पर्वतीय शहरों में जाम, पार्किंग समस्या और प्रदूषण को कम करने में सहायक होंगी।

सचिवालय में समीक्षा बैठक लेते आवास सचिव डा. आर. राजेश कुमार ● जागरण